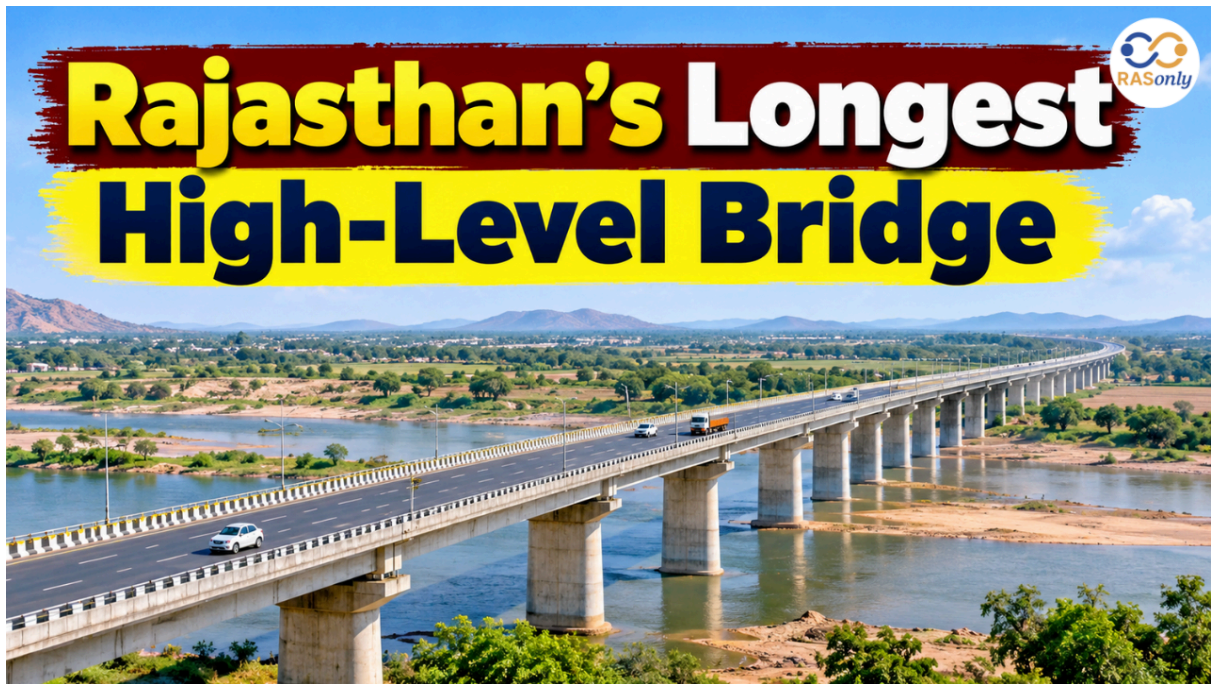


Rajasthan's Longest High-Level Bridge



The Gahlod High-Level Bridge (HLB) over the Banas River in Tonk district is another major achievement in infrastructure development in the state of Rajasthan. Built by the Public Works Department, the bridge is now recognised as Rajasthan's longest high-level bridge. The project is projected to enhance connectivity in various parts of Rajasthan, especially during the rainy season.

Key Highlights

Feature	Details
Bridge Name	Gahlod High-Level Bridge
River	Banas River
Location	Gahlod, Tonk, Rajasthan
Total Length	3.34 km
Main Bridge	2 km
Approach Road	1.34 km
Construction Cost	₹134.74 crore
Funding	Central Road and Infrastructure Fund (CRIF)

Load Capacity	Approx. 243 tonnes
Main Structure	50 spans of 40 metres each
Load Testing	Successfully completed in 5 stages
Structural Recovery	92%
Beneficiary Areas	Peeplu, Malpura, Todaraisingh, Phagi and Ajmer

Why Is This Bridge Important?

The old path over the Banas River had been susceptible to flooding or erosion for many years. This on many occasions affected connectivity and made it necessary to take an extra 30–40 km route by those travelling towards Tonk.

The new high-level bridge is expected to ensure smooth and safe connectivity all year round, particularly during the monsoon. It will also promote connectivity between a few towns and villages and facilitate the regional economy and socio-economic activities.

Engineering Highlight

The bridge passed a five-stage load test. Traffic was halted and deflection of the structures was measured during testing. After load removal, the bridge showed 92% structural recovery, above the 85% threshold considered acceptable.

Conclusion

The Gahlod High Level Bridge is more than just a connectivity project. It symbolizes Rajasthan's efforts to improve the state's infrastructure and ensure safe transportation even in tough weather. Aspirants preparing for the Rajasthan government exams can keep in mind the combination: Gahlod + Banas River + Tonk + 3.34 km + ₹134.74 crore.

MCQs

Q1. Which is Rajasthan's longest high-level bridge?

- A) Kota Bridge
- B) Gahlod High-Level Bridge
- C) Mahi Bridge
- D) Chambal Bridge

Answer: B

Q2. The Gahlod High-Level Bridge is built over which river?

- A) Chambal
- B) Luni
- C) Banas

D) Mahi

Answer: C**Q3. What is the total length of the Gahlod High-Level Bridge?**

A) 2.0 km

B) 2.84 km

C) 3.34 km

D) 4.34 km

Answer: C**Q4. The bridge is located in which district?**

A) Ajmer

B) Tonk

C) Jaipur

D) Bhilwara

Answer: B

राजस्थान का सबसे लंबा हाई-लेवल ब्रिज

बनास नदी पर टोंक जिले में बना गहलोत हाई-लेवल ब्रिज (HLB) राजस्थान के बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा निर्मित यह पुल अब राजस्थान का सबसे लंबा हाई-लेवल ब्रिज माना जाता है। इस परियोजना से राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है, विशेष रूप से बारिश के मौसम के दौरान।

प्रमुख विशेषताएं

विशेषता	विवरण
ब्रिज का नाम	गहलोत हाई-लेवल ब्रिज
नदी	बनास नदी
स्थान	गहलोत, टोंक, राजस्थान
कुल लंबाई	3.34 किमी
मुख्य ब्रिज	2 किमी

एप्रोच रोड	1.34 किमी
निर्माण लागत	₹134.74 करोड़
फंडिंग	Central Road and Infrastructure Fund (CRIF)
लोड क्षमता	लगभग 243 टन
मुख्य संरचना	40 मीटर के 50 स्पैन
लोड टेस्टिंग	5 चरणों में सफलतापूर्वक पूरी
स्ट्रक्चरल रिकवरी	92%
लाभान्वित क्षेत्र	पीपलू, मालपुरा, टोडारायसिंह, फागी और अजमेर

यह ब्रिज क्यों महत्वपूर्ण है?

बनास नदी पर पुराना रास्ता कई वर्षों से बाढ़ या कटाव की समस्या से प्रभावित होता रहा है। कई अवसरों पर इससे आवागमन बाधित हुआ और टोंक की ओर जाने वाले यात्रियों को **30-40** किमी अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती थी।

नया हाई-लेवल ब्रिज पूरे वर्ष, विशेष रूप से मानसून के दौरान, सुरक्षित और सुगम कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने में मदद करेगा। इससे कई कस्बों और गांवों के बीच संपर्क बेहतर होगा तथा क्षेत्रीय आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

इंजीनियरिंग की प्रमुख विशेषता

ब्रिज ने पांच चरणों में लोड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया। टेस्टिंग के दौरान यातायात को रोककर संरचना के डिफ्लेक्शन को मापा गया। लोड हटाने के बाद ब्रिज ने **92%** स्ट्रक्चरल रिकवरी दिखाई, जो स्वीकार्य माने जाने वाले **85%** मानक से अधिक है।

निष्कर्ष

गहलोत हाई-लेवल ब्रिज केवल एक कनेक्टिविटी परियोजना नहीं है, बल्कि यह राजस्थान में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और कठिन मौसम की परिस्थितियों में भी सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करने के प्रयासों का प्रतीक है। राजस्थान सरकारी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को इसका संयोजन याद रखना चाहिए:

गहलोत + बनास नदी + टोंक + 3.34 किमी + ₹134.74 करोड़

MCQs

Q1. राजस्थान का सबसे लंबा हाई-लेवल ब्रिज कौन सा है?

- A) कोटा ब्रिज
- B) गहलोत हाई-लेवल ब्रिज
- C) माही ब्रिज
- D) चंबल ब्रिज

उत्तर: B

Q2. गहलोत हाई-लेवल ब्रिज किस नदी पर बनाया गया है?

- A) चंबल
- B) लूणी
- C) बनास
- D) माही

उत्तर: C

Q3. गहलोत हाई-लेवल ब्रिज की कुल लंबाई कितनी है?

- A) 2.0 किमी
- B) 2.84 किमी
- C) 3.34 किमी
- D) 4.34 किमी

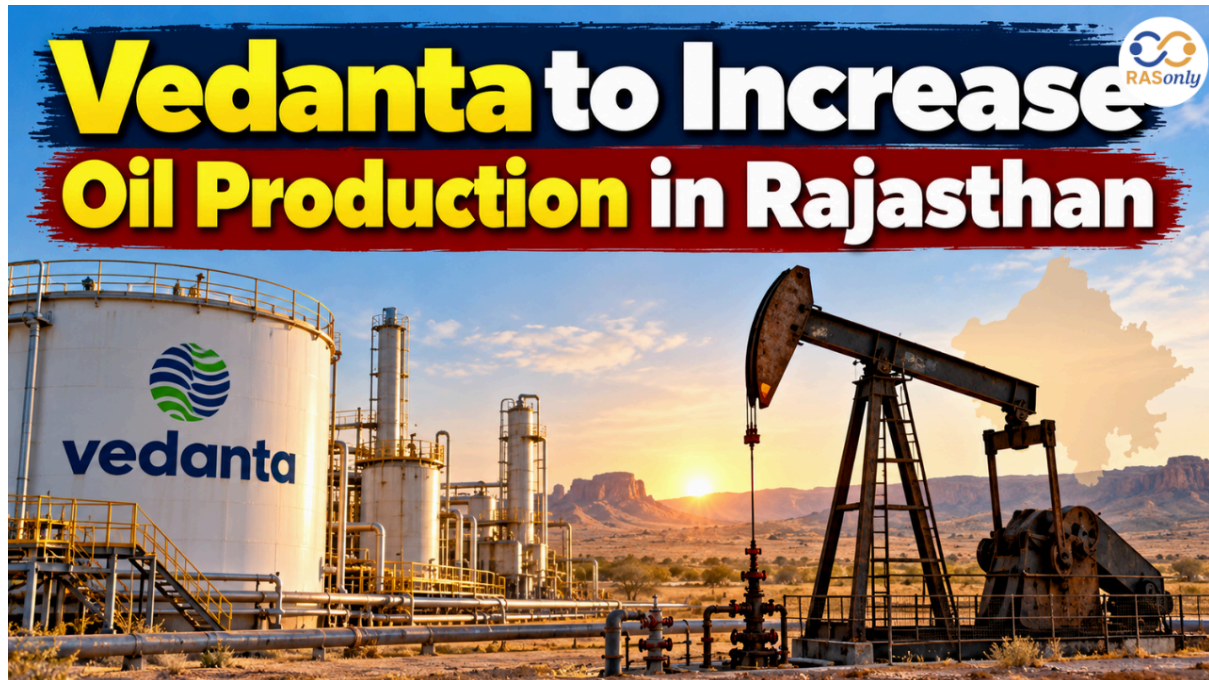
उत्तर: C

Q4. यह ब्रिज किस जिले में स्थित है?

- A) अजमेर
- B) टोंक
- C) जयपुर
- D) भीलवाड़ा

उत्तर: B

Vedanta to Increase Oil Production in Rajasthan



Vedanta Oil & Gas plans to invest around \$200 million in FY 2026–27 to increase crude oil production from its mature fields in Rajasthan. The investment will focus on enhanced recovery, production optimisation and resource-to-reserve conversion, particularly in the Barmer region. The move aims to address natural reservoir decline and improve output from existing wells.

Key Highlights

Point	Details
Company	Vedanta Oil & Gas
Investment	Around \$200 million
Period	FY 2026–27
Major Region	Barmer, Rajasthan
Key Field	Mangala
Focus	Enhanced recovery & production optimisation

Enhanced Recovery Techniques

Vedanta is using advanced recovery methods, including techniques such as ASP flooding, to improve oil recovery from mature Rajasthan fields.

Why Is It Important?

The project can help increase domestic crude oil production, reduce dependence on imports, and strengthen India's energy security. Rajasthan's Barmer oil fields have already become an important contributor to India's onshore oil production.

Conclusion

Vedanta's planned investment represents an important effort to sustain and improve oil production from Rajasthan's mature fields. By combining enhanced recovery techniques with production optimisation, the company aims to unlock additional potential from existing resources. The initiative could also support Rajasthan's role in India's energy sector and contribute to greater domestic energy security.

MCQs

1. Which company plans to invest around \$200 million to increase oil production in Rajasthan?

- A. ONGC
- B. Vedanta Oil & Gas
- C. BPCL
- D. IOCL

Answer: B. Vedanta Oil & Gas

2. Which Rajasthan district is a major focus of Vedanta's oil production activities?

- A. Kota
- B. Barmer
- C. Ajmer
- D. Alwar

Answer: B. Barmer

3. Which oil field is associated with Vedanta's production activities in Rajasthan?

- A. Mangala
- B. Bombay High
- C. Ankleshwar
- D. Ravva

Answer: A. Mangala

4. In which financial year is the planned investment of around \$200 million?

- A. FY 2024–25
- B. FY 2025–26
- C. FY 2026–27
- D. FY 2027–28

Answer: C. FY 2026–27

राजस्थान में तेल उत्पादन बढ़ाएगा वेदांता

वेदांता ऑयल एंड गैस वित्त वर्ष 2026-27 में राजस्थान के परिपक्व तेल क्षेत्रों से कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने के लिए लगभग 200 मिलियन डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहा है। निवेश का मुख्य फोकस उन्नत रिकवरी, उत्पादन अनुकूलन और संसाधनों को भंडार में बदलने पर होगा, विशेष रूप से बाड़मेर क्षेत्र में। इस कदम का उद्देश्य प्राकृतिक रूप से जलाशय के उत्पादन में होने वाली गिरावट को दूर करना और मौजूदा कुओं से उत्पादन में सुधार करना है।

प्रमुख बिंदु

बिंदु	विवरण
कंपनी	वेदांता ऑयल एंड गैस
निवेश	लगभग 200 मिलियन डॉलर
अवधि	वित्त वर्ष 2026-27
प्रमुख क्षेत्र	बाड़मेर, राजस्थान
प्रमुख तेल क्षेत्र	मंगला
फोकस	उन्नत रिकवरी और उत्पादन अनुकूलन

उन्नत रिकवरी तकनीक

वेदांता राजस्थान के परिपक्व तेल क्षेत्रों में तेल की रिकवरी बढ़ाने के लिए ASP फ्लडिंग जैसी तकनीकों सहित उन्नत रिकवरी विधियों का उपयोग कर रहा है।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

यह परियोजना घरेलू कच्चे तेल के उत्पादन को बढ़ाने, आयात पर निर्भरता कम करने और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में मदद कर सकती है। बाड़मेर के तेल क्षेत्र पहले ही भारत के ऑनशोर तेल उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले क्षेत्रों में शामिल हो चुके हैं।

निष्कर्ष

वेदांता का प्रस्तावित निवेश राजस्थान के परिपक्व तेल क्षेत्रों से तेल उत्पादन को बनाए रखने और बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्नत रिकवरी तकनीकों को उत्पादन अनुकूलन के साथ जोड़कर कंपनी मौजूदा संसाधनों की अतिरिक्त क्षमता का उपयोग करने का लक्ष्य रखती है। यह पहल ऊर्जा क्षेत्र में राजस्थान की भूमिका को भी मजबूत कर सकती है और भारत की घरेलू ऊर्जा सुरक्षा में योगदान दे सकती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. राजस्थान में तेल उत्पादन बढ़ाने के लिए लगभग 200 मिलियन डॉलर का निवेश करने की योजना किस कंपनी की है?

- A. ONGC
- B. वेदांता ऑयल एंड गैस
- C. BPCL
- D. IOCL

उत्तर: B. वेदांता ऑयल एंड गैस

2. वेदांता की तेल उत्पादन गतिविधियों का प्रमुख केंद्र राजस्थान का कौन-सा जिला है?

- A. कोटा
- B. बाड़मेर
- C. अजमेर
- D. अलवर

उत्तर: B. बाड़मेर

3. राजस्थान में वेदांता की उत्पादन गतिविधियों से कौन-सा तेल क्षेत्र जुड़ा है?

- A. मंगला
- B. बॉम्बे हाई
- C. अंकलेश्वर
- D. रावा

उत्तर: A. मंगला

4. लगभग 200 मिलियन डॉलर का प्रस्तावित निवेश किस वित्तीय वर्ष के लिए है?

- A. वित्त वर्ष 2024–25
- B. वित्त वर्ष 2025–26
- C. वित्त वर्ष 2026–27
- D. वित्त वर्ष 2027–28

उत्तर: C. वित्त वर्ष 2026–27